

तालिका -1

महाविद्यालय के सम्बन्धित सूचनायें

1. महाविद्यालय का नाम एवं पत्राचार का पता – राजकीय महाविद्यालय नारायणनगर, डीडीहाट (पिथौरागढ़)
2. (1) स्थापना का दिनांक – 09.11.1983 से प्रारंभ
(2) प्रथम शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने का वर्ष – 09.11.1983 से प्रारंभ
3. राजाज्ञा सं० एवं दिनांक – रा०स० 647 / 28.02.83 प्र०वि०अनु०-2 दिनांक 6.9.1983
4. दूरभाष सं०(कोड सहित) कार्यालय – (Office –Land line) 05964–234107
कार्यालय प्रभारी (नाम एवं मोबाइल नं०)– शेखर चन्द्र उप्रेती
09410501041
प्राचार्य आवास– (Residence –Land line)– शून्य
प्राचार्य मो० – 09897732025
फैक्स सं० – 05964–234107
5. ई– मेल आई डी – महाविद्यालय – gdcnarayannagar@yahoo.com
प्राचार्य – umapathak60@gmail.com
6. वैब साइट एड्रेस – www.gdcnarayannagar.org
7. (1) निदेशालय से महाविद्यालय की दूरी – 268 कि०मी०
(2) मार्ग के अर्न्तगत पड़ने वाले मुख्य स्टेशन/स्थान – पिथौरागढ़
8. महाविद्यालय से सड़क की दूरी – 0 कि०मी०
(1) महाविद्यालय किस राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway) अथवा राज्यमार्ग (State Highway) पर स्थित है। – नहीं
(2) राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway) अथवा राज्यमार्ग (State High way) से महाविद्यालय की दूरी – 04 कि०मी०
9. महाविद्यालय से निकटतम रेलवे स्टेशन – नाम : काठगोदाम – दूरी : 264 किमी
10. विकास खण्ड का नाम– कनालीछीना– विकास खण्ड से दूरी – 25 किमी
11. तहसील का नाम – डीडीहाट तहसील से दूरी – 09 किमी
12. जिला का नाम –पिथौरागढ़ मुख्यालय से दूरी – 48 किमी
13. विधान सभा क्षेत्र की संख्या एवं नाम – 43 डीडीहाट
14. समुद्र तल से ऊँचाई (1) मीटर में – 1800 मी०

(1 मीटर = 3.281 फीट)

(2) फीट में – 5904 फीट

15. स्थापना के समय स्वीकृत शैक्षिक/शिक्षणोत्तर पदों के नाम एवं संख्या –

क्र० सं०	सृजित पदनाम एवं पदों की सं०	स्थायी / अस्थायी	राजाज्ञा सं० एवं दिनांक जिससे पद सृजित हुआ	राजाज्ञा सं० एवं दिनांक जिससे पद स्थायी हुआ	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1.	प्राचार्य, प्रवक्ता हि०,अंग्रे०,इति०,अर्थ०,समा, रा०शा०, 07	अस्थाई	रा०सं०647 / 28.02.1983 वि०अनु०-2 दि० 6.9. 1983	3011 / जी.एस. / शिक्षा / समबद्धता / 200 7 दिनांक 01.07.07	शून्य
2.	का०अधीक्षक, पुस्त०अधी०,दफतरी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी,03 पद,	अस्थाई	रा०सं०649 / 28.02.1983 वि०अनु०-2 दि० 6.9. 1983	—	शून्य

16. वर्तमान स्थिति 31.03.2013 की स्थितिनुसार स्वीकृत विषय –

क्र०सं०	सृजित पदनाम एवं पदों की सं०	स्थायी / अस्थायी	राजाज्ञा सं० एवं दिनांक जिससे पद सृजित हुआ	राजाज्ञा सं० एवं दिनांक जिससे पद स्थायी हुआ	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	प्राचार्य, प्रवक्ता हि०,अंग्रे०,इति०,अर्थ०,समा, रा०शा०, रसा०,भौति०,गणित,जन्तु, वन०,मनो०,भूगोल	स्थाई	रा०सं०647 / 28.02.1983 वि०अनु०-2 दि० 6.9. 1983 46 / 03-3(81)2002 / 18.08.2003	3011 / जी.एस. / शिक्षा / समबद्धता / 200 7 दिनांक 01.07.07	शून्य
2	का०अधीक्षक, पुस्त०अधी०,दफतरी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी,03 पद,	अस्थाई	रा०सं०649 / 28.02.1983 वि०अनु०-2 दि० 6.9. 1983	—	शून्य
3	प्रयोगशाला सहायक- 6	अस्थाई	रा०सं०46 / 03-3(81)	—	शून्य
4	प्रयो० अनुसेवक - 6	अस्थाई	2002 / 18-08-2003	—	शून्य

17. विषय जिनमें स्थाई सम्बद्धता प्राप्त हो चुकी है –
(राजाज्ञा संख्या का उल्लेख करें)

स्नातक स्तर- हि०,अंग्रे०,इति०,अर्थ०,समा, रा०शा०, रसा०,भौति०,गणित,जन्तु,वन०,मनो०,भूगोल
3011 / जी.एस. / शिक्षा / समबद्धता / 2007 दिनांक 01.07.07

स्नातकोत्तर स्तर – राजनीति विज्ञान 3011 / जी.एस. / शिक्षा / समबद्धता / 2007 दिनांक 01.07.07

18. विषय जिनमें अस्थाई सम्बद्धता प्राप्त हुई है ।

स्नातक स्तर- शून्य

स्नातकोत्तर स्तर – शून्य

19. (1) स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम की सूचना (राजाज्ञा संख्या, सम्बद्धता अवधि सहित) –
डिप्लोमा इन टूरिज्म स्टडीज – मान्यता / 775 दि० 04.08.2006
(2) नियामक संस्था का नाम एवं अनुमति पत्र संख्या एवं दिनांक – कु०वि०वि०
04 अगस्त 2006 से संचालित
20. महाविद्यालय की भूमि –भवन से सम्बन्धित सूचनार्ये :- 31.03.2013 की स्थितिनुसार)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	प्राचार्य आवास तक सड़क का कार्य तथा पेयजल वाटर टैंक शौचालय अपूर्ण	—	—	—	—	उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम	10 लाख	प्राचार्य आवास तक सड़क का कार्य अपूर्ण प्राचार्य आवास में शौचालय पिट व पाइप का कार्य नहीं किया गया है। विद्युत व्यवस्था में अर्थिग नहीं की गई है। महाविद्यालय परिसर में वाटर टैंक का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है।	—

निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में प्राचार्य की अभ्युक्ति (यदि कोई हो) – अपूर्ण कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण कराया जाय।

21. कम्प्यूटर की सूचना— (प्रोजेक्ट “शिखर” के अतिरिक्त)

कंस0	उपलब्ध कम्प्यूटर सिस्टमों की संख्या	क्रियाशील कम्प्यूटरों की संख्या	निष्प्रयोज्य कम्प्यूटरों की संख्या	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1	06	05	01	—

कम्प्यूटर से सम्बन्धित उपकरणों की सूचना।

कंस0	उपकरण का नाम	उपकरण की संख्या	क्रियाशील	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1	प्रिंटर	02	02	—

22. प्रोजेक्ट “शिखर” से सम्बन्धित सूचनायें—

(क) कोर्स संचालित करने वाली संस्था का नाम – एप्टेक कम्प्यूटर एजुकेशन

(ख) क्या कम्प्यूटर शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये हैं – हाँ

(ग) उपलब्ध कम्प्यूटरों की संख्या – 06

(घ) उपलब्ध अन्य उपकरण – प्रिंटर – 01, यूपीएस – 05, यूनीलाईन यूपीस – 01, जेनरेटर – 01

(ङ) विगत पाँच वर्षों में वर्षवार प्रवेशित छात्र-छात्राओं की संख्या (संस्थागत) –

वर्ष	प्रवेशित छात्र-छात्राओं की संख्या
2008	44
2009	32
2010	31
2011	38
2012	24

(च) विगत 3 वर्षों में वर्षवार सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त छात्र/छात्राओं की संख्या –

वर्ष	डिप्लोमा छात्र-छात्राओं की संख्या
2010	35
2011	28
2012	18

(छ) कम्प्यूटरों/उपकरणों के रख-रखाव, सॉफ्टवेयर अपग्रेड, विद्युत व्यय, इण्टरनेट आदि – पर व्यय किसके द्वारा वहन किये जा रहे हैं। (विगत 05 वर्षों की सूचना) – एप्टेक कंप्यूटर एजुकेशन

(ज) प्रोजेक्ट के सम्बन्ध में प्राचार्य की आख्या – संतोषजनक

23 (1) महाविद्यालय में पेयजल की व्यवस्था : (है अथवा नहीं) – है

(2) महाविद्यालय में पानी के संग्रहण (storage) की व्यवस्था का उल्लेख करें – संग्रहण हेतु सिंटेक्स टंकी लगाई गयी है।

(3) महाविद्यालय में शुद्ध पेयजल हेतु Water Purifier की सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं – है

24 (1) महाविद्यालय में प्रसाधन की व्यवस्था का उल्लेख करें –

महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन में दो प्रसाधन हैं। छात्र-छात्राओं के लिये भी अलग-अलग प्रसाधन उपलब्ध है।

(2) महाविद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारी/अधिकारी हेतु पृथक से प्रसाधन सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं : है

25. (1) पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की संख्या : 11079

(2) पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ ग्रंथों की संख्या : 1510(यू0जी0सी0 लाइब्रेरी)

(3) महाविद्यालय में नियमित रूप से मंगाये जा रहे समाचार पत्र/पत्रिकाओं/जरनल/अन्य प्रकाशन के नाम : दैनिक जागरण, अमर उजाला, द इंडियन एक्सप्रेस

(4) महाविद्यालय में वाचनालय की व्यवस्था है अथवा नहीं : है

(5) वाचनालय में नियमित रूप से उपलब्ध पत्र पत्रिकाओं के नाम : 1. द वीक, 2. आउटलुक, 3. रीडर्स डाइजेस्ट, 4. नवनीत, 5. साहित्य अमृत, 6. इंडिया टुडे, 7. उत्तरांचल पत्रिका, 8. प्रतियोगिता दर्पण, 9. रोजगार समाचार, 10. सरिता

(6) पुस्तकालय के कम्प्यूटरीकरण की स्थिति (है अथवा नहीं) : है

26. शासनादेश संख्या .166/xxiv(6)/2010 दिनांक 06 मई, 2010, जिसके द्वारा धूम्रपान प्रतिबन्धित किया गया है, के अनुपालन की स्थिति : महाविद्यालय कैम्पस में बोर्ड एवं पोस्टर लगाये गये हैं।

नोडल अधिकारी का नाम व पदनाम : प्रो0 सी0एस0 धामी एसो0प्रो0
मोबाइल नं0 : 9411517283

27. रैंगिंग हेतु गठित एन्टी रैंगिंग प्रकोष्ठ के गठन की सूचना : गठित है

नोडल अधिकारी का नाम व पदनाम : प्रो0 आर0एन0 पाण्डे सहा0प्रो0

मोबाइल नं० :

9410562793

28. महिला उत्पीडन सेल के गठन की स्थिति :

नोडल अधिकारी का नाम व पदनाम :
मोबाइल नं० :

प्र० हेमलता धर्मशक्तू सहा० प्र०
9412907816

29. महाविद्यालय की 2 एफ अथवा 12 बी की स्थिति :

(क) महाविद्यालय 2 एफ से आच्छादित है : है
(ख) महाविद्यालय 12 बी से आच्छादित है : है

दिनांक: F8-161/2005 CPP-I 25.07.08
दिनांक: 25.07.2008

30. नैक प्रकोष्ठ का विवरण—

(1) प्रभारी व सदस्यों के नाम —

डा० सी०पी० सिंह

(2) क्या नैक से प्रत्यायनित है? —

नहीं

यदि हों तो cycle I/II प्रथमवार प्रत्यायनित— वर्ष नहीं द्वितीयवार — नहीं वर्ष नहीं

(3) महाविद्यालय को प्राप्त ग्रेड

नहीं

(4) क्या प्रत्यायन/पुनः प्रत्यायन की प्रक्रिया गतिमान है? — हों
यदि हों —

(5) क्या LOI प्रेषित किया है? —
यदि हों तो कब? —

नहीं

(6) LOI स्वीकृति की तिथि—

नहीं

(7) E Mail Track ID का नाम—

नहीं

(8) SSR प्रेषित करने की तिथि—

नहीं

(9) SSR छः माह में प्रेषित करने की अंतिम तिथि—

नहीं

(10) क्या IQAC स्थापित है—
यदि हों तो कब? —

नहीं

(11) चालू वर्ष में IQAC की बैठकों की संख्या—

नहीं

(12) क्या चालू वर्ष हेतु IQAC प्रेषित किया गया है—

नहीं

यदि हों तो कब? — नहीं
पत्रांक एवं दिनांक— नहीं

31 सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में—

(क) पर्जीकृत अनुरोधों की संख्या—

: 19

(ख) निस्तारित अनुरोधों की संख्या—

: 19

(ग) लम्बित प्रकरणों की संख्या—

: 00

(घ) मैनुअलों को तैयार किये जाने की अद्यतन स्थिति—

: मैनुअल तैयार किया जा रहा है।

32 महाविद्यालय में प्लेसमेंट सैल की स्थिति :

- (1) महाविद्यालय में प्लेसमेंट सैल गठित है : गठित है
 (2) प्लेसमेंट सैल से विगत वर्ष लाभार्थी छात्रों की संख्या : -
 (3) प्लेसमेंट सैल के संबंध में प्राचार्य की आख्या : क्रियान्वयन का प्रयास जारी है
- 33 महाविद्यालय में अग्निशमन यंत्रों की स्थिति :
 (1) अग्निशमन यंत्र लगाये गये है : हाँ
 (2) अग्निशमन यंत्रों की संख्या : 03
 (3) स्थान : प्रशासनिक भवन एवं विज्ञान प्रयोगशाला
- 34 (1) महाविद्यालय में फिप (FIP) की स्थिति : नहीं
 (2) फिप (FIP) से लाभान्वित होने वाले प्राध्यापकों की संख्या : नहीं
- 35 महाविद्यालय में एडुसेट (Edusat) स्थापित है अथवा नहीं : स्थापित है
 यदि हाँ तो वर्तमान में क्रियाशील है अथवा नहीं : नहीं
 एडुसेट (Edusat) के प्रभारी का नाम, पदनाम व मोबा0 नं0 : डा0 सी0पी0 सिंह, सहा0प्रो0 9411263466
 एडुसेट (Edusat) से सम्बन्धित उपकरणों की स्थिति : कार्यात्मक रूप से प्रभावी नहीं
- 36 महाविद्यालय में छात्रावास की स्थिति : नहीं है
37. महाविद्यालय में छात्र कुर्सी एवं मेज की संख्या : छात्र कुर्सी-750, छात्र मेज-512
38. AISHE की सूचना : हाँ
 नोडल अधिकारी का नाम : डा0 उमा पाठक
 पदनाम : प्राचार्या
 मोबाईल नं0 : 9897732025
 E-Mail ID : umapathak60@gmail.com
39. शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की सूचना : हाँ
 प्रभारी का नाम : प्रो0 आर0एन0 पाण्डे
 सदस्यों के नाम : डा0 सी0पी0 सिंह
 प्रो0 हेमलता धर्मशक्तू
40. महाविद्यालय में आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ की स्थिति :
 प्रभारी का नाम : प्रो0 गोपाल सिंह चौहान
 पदनाम : सहा0 प्रोफेसर
 मोबाईल नं0 : 9456180880
41. 1. महाविद्यालय की संदृष्टि (VISION) : महाविद्यालय को उच्च शिक्षा के विविधीकृत क्षेत्रों, शोध, प्रसार, प्रशिक्षण एवं परामर्श की राष्ट्रीय छवि वाले ऐसे ज्ञान केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठित करना, जिसकी गुणवत्ता के लिए लोकप्रिय ख्याति हो तथा जो शिक्षार्थियों को उनकी पूर्ण क्षमता को पहचानने तथा उसका पूर्ण उपयोग पेशेवर जीवन-मूल्यों की गहन भावना के साथ राष्ट्रीय विकास में करने का अवसर उपलब्ध करा सके।
2. महाविद्यालय द्वारा आगामी वर्षों हेतु निर्धारित लक्ष्य (Goal) : उत्तराखंड को ज्ञान प्रदेश के रूप में अवतरित कर राष्ट्रीय उन्नयन में राज्य का योगदान महत्वपूर्ण रूप में सुनिश्चित करने हेतु

उत्कृष्टता को प्रतिबद्ध नवीन दक्षताओं एवं नैतिक मूल्यों से प्रेरित गुणवत्तापूर्ण अध्ययन एवं अध्यापन, शोध, प्रसार एवं परामर्श के द्वारा पारम्परिक एवं आधुनिक क्षेत्रों में ज्ञान के सृजन एवं सम्प्रेषण तथा कला, विज्ञान एवं संस्कृति के प्रवर्तन के माध्यम से मानव संसाधनों का अनुकूलतम विकास।